Board of Directors of those companies. They are not getting any major contracts. Then, why are they so anxious about it? With the little resources that they have, it does not make any business sense for them to go overseas.

MR. CHAIRMAN : Now, what is your question?

MISS MABEL REBELLO : When there is a huge potential in the domestic market to do business, why are they doing that? I would like to know that.

SHRI RAM NAIK : Sir, we have to go to other countries and do business there. We must acquire more experience. *(Interruptions)....*

MISS MABEL REBELLO : There is tremendous demand here. You fulfil the local demand, the domestic demand.

SHRI RAM NAIK : With whatever expertise we have, we can go to other countries and do work there. Whatever gas is available, that gas is being sold by GAIL. We are producing more and more gas and trying to do it through the NELP, and it is giving results. The gas will come. You wait for a few years.

उत्तर प्रदेश में विमानन सुविधाओं का विस्तार

*447. **प्रो. एम. एम. अग्रवाल:** क्या नागर विमानन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या उत्तर प्रदेश में नागर विमानन सुविधाओं के विस्तार हेतु कोई परियोजनाएं हैं;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) उत्तर प्रदेश के औद्योगिक क्षेत्र कानपुर शहर के लिए दिल्ली से कानपुर और कानपुर से दिल्ली के बीच विमान सेवाएं प्रदान करने हेतु सरकार ने अब तक कौन-कौन से कदम उठाए हैं?

नागर विमानन मंत्री (श्री सैयद शाहनवाज़ हुसैन): (क) से (ग) एक विवरण सदन के पटल पर रख दिया है।

विवरण

(क) और (ख) लखनऊ और वाराणसी हवाई अड्डों पर ए-300 किस्म के बड़े विमानों के प्रचालन के लिए उनके मौजूदा रनवे को उपयुक्त बनाने की दृष्टि से दोनों रनवे के सुदृढ़ीकरण और उनका 9000 फुट तक विस्तार करने संबंधी परियोजनाएं प्रगति पर हैं। लखनऊ हवाई अड्डे के एप्रन का और अधिक विस्तार और सुदृढ़ीकरण किया जा रहा है। लखनऊ हवाई अड्डे पर नए तकनीकी ब्लॉक एवं कंट्रोल टावर का कार्य और वाराणसी हवाई अड्डे पर 800 यात्रियों को हैंडल करने की

सुविधा के लिए नए एकीकृत टर्मिनल भवन का निर्माण कार्य हाथ में ले लिया गया है। इसके अतिरिक्त उत्तर प्रदेश राज्य सरकार का दिल्ली से 72 कि. मी. दूर जेवर नामक गांव के निकट ताज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे की स्थापना संबंधी एक प्रस्ताव है।

(ग) इंडियन एयरलाइंस ने वाया कानपुर अपनी एक मौजूदा सायंकालीन विमान सेवा की री-रूटिंग की जांच-पड़ताल कर ली है। तथापि, भारतीय वायु सेना ने आपरेशनल कठिनाइयों की वजह से इसके लिए सहमति नहीं दी है। एयरलाइनें यातायात मांग और वाणिज्यिक व्यवहार्यता के आधार पर खास-खास स्थानों के लिए विमान सेवाएं मुहैया कराती हैं बशर्ते कि वे उन मार्ग संवितरण संबंधी मार्गदर्शी-सिद्धांतों का पालन करती हों, जिनमें मार्गों की विभिन्न श्रेणियों के अनुसार कुछ न्यूनतम प्रचालन सेवाएं मुहैया करने की व्यवस्था है।

Expansion of aviation facilities in Uttar Pradesh

†*447. PROF. M. M. AGARWAL : Will the Minister of CIVIL AVIATION be pleased to state :

(a) whether there are any projects for the expansion of Civil Aviation facilities in Uttar Pradesh.

(b) if so, the details thereof; and

(c) the steps taken so far by Government to provide air services to and from Kanpur, the industrial city of Uttar Pradesh?

THE MINISTER OF CIVIL AVIATION (SHRI SYED SHAHNAWAZ HUSSAIN) : (a) to (c) A statement is laid on the table of the Sabha.

Statement

(a) and (b) Projects of strengthening and extension of runways to 9000 feet at Lucknow and Varanasi airports to make them suitable for operation of wide-bodied aircraft of A-300 type are in progress. Apron at Lucknow airport is being further expanded and strengthened. The work of new Technical Block-cum-Control Tower at Lucknow airport and construction of new Integrated Terminal Building to handle 800 passengers at Varanasi airport have been taken up. In addition, State Government of Uttar Pradesh has a proposal for setting up of Taj International Airport near Jewar village, 72 km from Delhi.

(c) Indian Airlines has examined re-routing of one of their existing evening air-service via Kanpur. However, the Indian Air force has not

†Original notice of the question was received in Hindi.

agreed to this due to operational constraints. Airlines provide air-services to specific places depending upon the traffic demand and commercial viability subject to compliance of route dispersal guidelines which provide for certain minimum operations on various category of routes.

प्रो. एम. एम. अग्रवाल : सभापति जी, मंत्री जी बधाई के पात्र हैं क्योंकि इन्होंने एयर इंडिया और इंडियन एयरलाइन्स के प्रोफिट बढ़ाए हैं। बहुत अच्छा काम किया है। मुझे कानपुर के बारे में कहना है। कानपुर एक जमाने में हिंदुस्तान का मेनचेस्टर था। वहां पर वायु सेवाएं बिल्कुल बंद कर दी गई हैं। पहले चलती थीं। कुछ रूट्स लखनऊ होकर आते थे, कुछ लखनऊ या वाराणसी होकर आते थे। अब सेवाएं बिल्कुल बंद हैं। मैं यह जानना चाहता हूं कि ये सेवाएं कब चालू करेंगे? इन्होंने अपने जवाब में लिखा है कि ऑपरेशनल डिफिकल्टी के कारण ऐसा नहीं हो पा रहा है। मैं मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि यह ऑपरेशनल डिफिकल्टी कब तक समाप्त हो जाएगी?

श्री सभापति : बताइए कि यह ऑपरेशनल डिफिकल्टी क्या है और इसे कब तक सोल्व कर देंगे?

श्री सैयद शाहनवाज हुसैन : सभापति जी, यू. पी. में बहुत सी जगह फ्लाइट्स नहीं जाती थीं। गोरखपुर....(**व्यवधान**)..

श्री सभापति : आप तो कानपुर तक सीमित रहिए।

श्री सैयद शाहनवाज हुसैन : जहां तक कानपुर का सवाल है तो इस संबंध में माननीय सदस्य कई बार मुझसे मिल चुके हैं। मैंने उन्हें आश्वस्त किया था कि हम कानपुर में भी जल्दी ही फ्लाइट चलाएंगे। इण्डियन एयरलाइन्स ने वहां फ्लाइट चलाने की योजना बनाई है लेकिन वह एयरपोर्ट एयरपोर्ट अथॉरिटी मेन्टेन नहीं करती है। वह डिफेंस के पास है। हमारा जो शेड्यूल बन रहा है वह रात का शेड्यूल है। वहां नाइट लैंडिंग फेसिलिटी और अन्य कठिनाइयां हैं। हम डिफेंस से .....(**व्यवधान**)..

प्रो. एम. एम. अग्रवाल : सिविल भी है।

श्री सैयद शाहनवाज हुसैन : हम डिफेंस मिनिस्ट्री से बातचीत कर रहे हैं क्योंकि इण्डियन एयरलाइन्स के पास जहाजों की कमी है। जल्दी ही हम जहाजों की कमी पूरी करने वाले हैं। फिर हम सब जगह जाने वाले हैं। जैसे ही हमें जहाज उपलब्ध होंगे हम कानपुर में सेवा शुरू करेंगे।

प्रो. एम. एम. अग्रवाल : सभापति जी, मेरा सैकिण्ड सप्लीमेंट्री।

श्री सभापति : अब क्या पूछना है?

प्रो. एम. एम. अग्रवाल : सभापति जी, एक सैकिण्ड। इन्होंने अपने उत्तर में लिखा है कि लखनऊ, वाराणसी और दिल्ली के बारे में अपनी एक योजना बना रहे हैं, ए-300 ले जाने की इसके लिए 9000 फुट रन वे बढ़ा रहे हैं। यह शुरू तो हो गया है लेकिन कब तक बन पाएगा?

श्री सैयद शाहनवाज हुसैन : लखनऊ में जो रन वे बढ़ाने जा रहे हैं उसका काम चल रहा है। आप जब भी लखनऊ एयरपोर्ट पर जाते होंगे तो आपको वहां कुछ प्रगति नजर आती होगी।

प्रो. एम. एम. अग्रवाल : चल तो बहुत दिनों से रहा है लेकिन कब तक पूरा होगा?

श्री सैयद शाहनवाज हुसैन : जहां तक रन-वे बनाने की बात है तो लोगों को वहां से शिफ्ट करने की जरूरत है। इसके लिए बातचीत चल रही है। यह काम पूरा हो रहा है। हम इसे 2003 में ही पूरा करेंगे। बनारस में भी हम रन-वे बढ़ा रहे हैं। सात हजार से नौ हजार फीट कर रहे हैं और वहां एक बड़ा टर्मिनल साठ करोड़ की लागत से बनाने जा रहे हैं।

Entry to majority community to Bhojshala in M.P.

*448. SHRI SHAHID SIDDIQUI: Will the Minister of TOURISM AND CULTURE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the Central Government have advised the M.P. Government to permit the entry of majority community for full day and to carry puja material to Bhojshala;

(b) if so, the reasons therefor; and

(c) what arrangements have been made for the security of the monument?

THE MINISTER OF TOURISM AND CULTURE (SHRI JAGMOHAN): (a) to (c) A Statement is laid on the table of the House.

Statement

After a brief exchange of correspondence about the manner in which the protected monument of Bhojshala should be opened, the State Government of Madhya Pradesh made certain suggestions/ recommendations. These suggestions and decisions of the Central Government are contained in Statement-I (*See* below). Subsequently, the State Government wanted formal orders issued by Director General, ASI. The requisite order was issued and a copy of the order is at Statement-II (*See* below).

Keeping in view the background of the case and the practical considerations, the solution arrived at was considered to be most sound and feasible. The arrangements have worked satisfactorily. The number of visitors on different days/dates is at Statement-III.